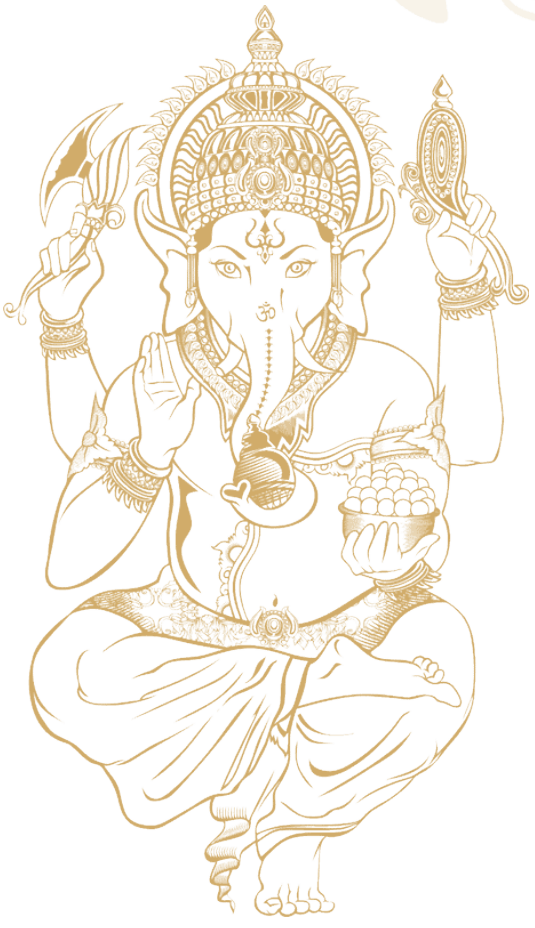

Larka

Larki

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120533704

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30-01/07/2000	जन्म तिथि	04/11/2002
शुक्र-शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 02:30:00	जन्म समय	11:10:00 घंटे
घटी 52:06:28	जन्म समय(घटी)	11:25:52 घटी
India	देश	India
Kota	स्थान	Kota
25:11:00 उत्तर	अक्षांश	25:11:00 उत्तर
75:58:00 पूर्व	रेखांश	75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:08	स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:39:24	सूर्योदय	06:35:39
19:20:07	सूर्यास्त	17:43:41
23:51:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:31

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 2वर्ष 3मा 23दि	27:37:01	मेष	लग्न	धनु	17:52:50	राहु 14वर्ष 10मा 29दि
गुरु	15:29:17	मिथु	सूर्य	तुला	17:44:07	गुरु
24/10/2020	02:15:22	मिथु	चंद्र	तुला	08:57:07	04/10/2017
24/10/2036	15:42:59	मिथु	मंगल	कन्या	18:33:50	04/10/2033
गुरु 12/12/2022	24:06:20	मिथु व	बुध	तुला	11:34:03	गुरु 22/11/2019
शनि 24/06/2025	06:15:25	वृष	गुरु	कर्क	22:46:00	शनि 04/06/2022
बुध 30/09/2027	20:49:21	मिथु	शुक्र व	तुला	11:45:29	बुध 09/09/2024
केतु 05/09/2028	02:46:10	वृष	शनि व	मिथु	04:40:58	केतु 16/08/2025
शुक्र 07/05/2031	00:46:15	कर्क व	राहु व	वृष	14:57:56	शुक्र 16/04/2028
सूर्य 23/02/2032	00:46:15	मक व	केतु व	वृश्चि	14:57:56	सूर्य 02/02/2029
चन्द्र 24/06/2033	26:27:02	मक व	हर्ष व	कुंभ	01:00:59	चन्द्र 04/06/2030
मंगल 31/05/2034	12:01:12	मक व	नेप	मक	14:21:51	मंगल 11/05/2031
राहु 24/10/2036	16:55:59	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	22:15:31	राहु 04/10/2033

लग्न-चलित

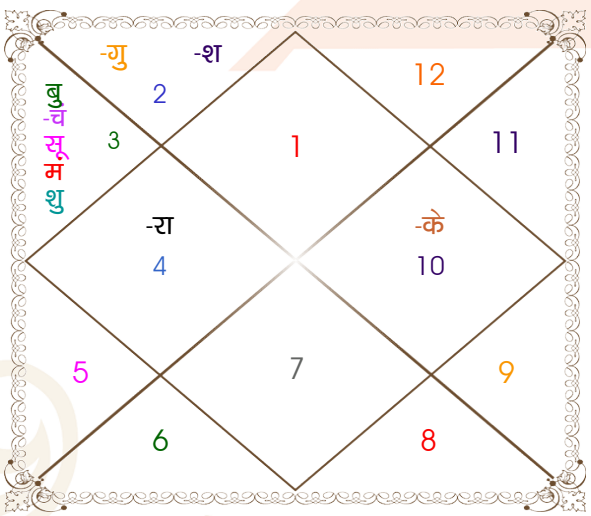

लग्न-चलित

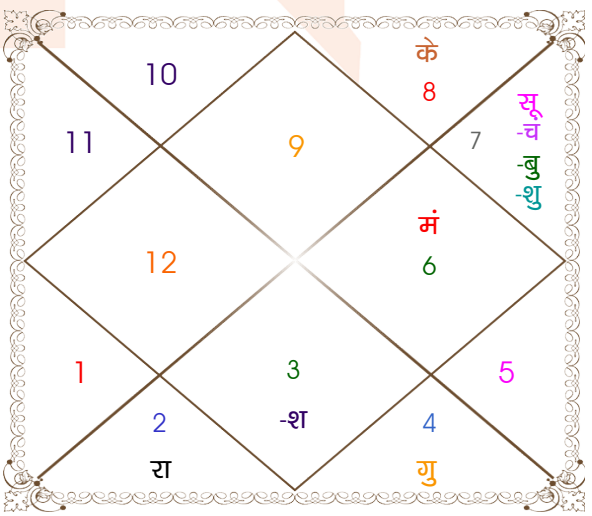

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

स्तां का वर्ग मार्जार है तथा स्ताप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार स्तां और स्ताप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

स्तां मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

स्ताप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

स्तां तथा स्ताप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।